डॉ0 जितेन्द्र सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार),
उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ;
राज्य मंत्री, प्रधान मंत्री कार्यालय,
कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय,
परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग,
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

Dr. JITENDRA SINGH
Minister of State (Independent Charge),
Ministry of Development of North Eastern Region;
Minister of State, Prime Minister's Office,
Ministry of Personnel, Public Grievances and Pensions,
Department of Atomic Energy and Department of Space,
Government of India

संदेश

भाषा विचार एवं भाव अभिव्यक्ति का प्रभावी एवं सार्थक माध्यम है। भाषा किसी भी राष्ट्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक धरोहर की संवाहिका होती है। राष्ट्रभाषा की सहजता, सरलता और सम्प्रेषणीयता उस राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रगति एवं नवाचार को नव-अभिव्यक्ति प्रदान करती है। प्रत्येक राष्ट्र एवं समाज अपनी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अपनी भाषा के माध्यम से अक्षुण्ण रखता है।

राष्ट्र के निर्माण एवं विकास में राजभाषा की इस प्रासंगिकता के मद्देनजर भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए प्रति वर्ष **14 सितम्बर** को **"हिन्दी दिवस"** के रूप में मनाया जाता है।

राजभाषा हिन्दी का प्रयोग शासन-प्रशासन में जन-सहभागिता एवं वितरणात्मक न्याय सुनिश्चित कर भारतीय लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाएगा। इससे भारतीय लोकतंत्र के विकास की गौरवगाथा में सभी भारतीय नागरिकों का अमूल्य योगदान भी बढ़ेगा जिससे आमजन कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी होने के साथ-साथ भारत के सक्रिय भाग्य-निर्माता भी बन सकेंगे। आज सूचना प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल इण्डिया जैसी सभी तकनीकी प्रणालियों में राजभाषा का प्रयोग उत्कृष्टतापूर्वक किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप समावेशी विकास के माध्यम से एक समावेशी समाज एवं लोकतंत्र की स्थापना होगी।

राजभाषा हिन्दी का प्रयोग हमारा संवैधानिक दायित्व है। राजकाज में हिन्दी भाषा का प्रयोग करके हमें अपने इस संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करना है। राजभाषा हिंदी का अधिकतम प्रयोग प्रशासन में जनसाधारण को सक्रिय एवं सहभागी बनाकर **"न्यूनतम शासन अधिकतम सुशासन"** के लोकतांत्रिक सिद्धांत की स्थापना करेगा। परिणामस्वरुप प्रशासन अधिक जनकेंद्रित एवं लोकतांत्रिक बनेगा और अंतिम पायदान पर खड़ा भारतीय नागरिक भी शासन-प्रशासन का सक्रिय हिस्सा बन सकेगा।अतः लोकतंत्र की वास्तविक सफलता और सुशासन की स्थापना के लिए यह अत्यन्त आवश्यक है कि सभी अधिकारी और कर्मचारी सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में करके गौरावान्वित महसूस करें। हमें हिन्दी भाषा पर गर्व है।

'हिन्दी दिवस' के अवसर पर मैं कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय एवं इसके समस्त संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों के कार्यालय प्रमुखों और सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और आह्वान करता हूं कि आप सभी यह संकल्प लें कि हम समस्त सरकारी काम-काज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करेंगे और राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगे।

जय हिन्द !

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 14 सितम्बर, 2019

Vigyan Bhavan Annexe,
Maulana Azad Road, New Delhi-110011
Tel. : 011-23022400, 23022401,
Fax. : 011-23062754

South Block, New Delhi-110011
Tel. : 011-23010191 Fax : 011-2307931
North Block, New Delhi-110001
Tel. : 011-23092475 Fax : 011-23092716